24/11/2023

प्राथमिक और द्वितीयक उद्योग
↓
श्रम घनिष्ठ
- विकासशील देश

तृतीयक और चतुर्थक उद्योग
- तकनीक
- कौशल
- पूंजी
- लाभ ↑↑
- विकसित देश

- भारत प्राथमिक उद्योग में तो आगे था, परंतु द्वितीयक उद्योग की कमी है।
- प्राथमिक उद्योग से सीधे तृतीय उद्योग की तरफ बदलाव आया।
- द्वितीयक उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया जैसी परियोजनायें को चलाया जा रहा है।
- तृतीयक क्षेत्र श्रम सघन नहीं है, जिस कारण भारत में बेरोजगारी की समस्या उभर कर सामने आई।

ऊर्जा संसाधन

कोयला
- सीमित
- विनाशकारी दुष्परिणाम (प्रदूषण)

तेल व गैस
- कोयले की तुलना में साफ ईंधन

नाभिकीय
यूरेनियम

Carbon Fixing → वन, सागर, मृदा } कार्बन सिंक (तंत्र जो अनंत मात्रा में CO_2 अपने में समेट लें)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ कार्बन सिंक की क्षमता से ज्यादा उत्सर्जन होने के कारण CO_2 विश्व के लिए समस्या बन रहा है। इसमें कोयले की भूमिका ज्यादा है।

<u>विश्व में कोयले का वितरण</u>

→ विश्व का 85% कोयला उत्तरी गोलार्द्ध में है।

→ कार्बन के प्रकार और मात्रा

एन्थ्रेसाइट > बिटुमिनस > लिग्नाइट > पीट

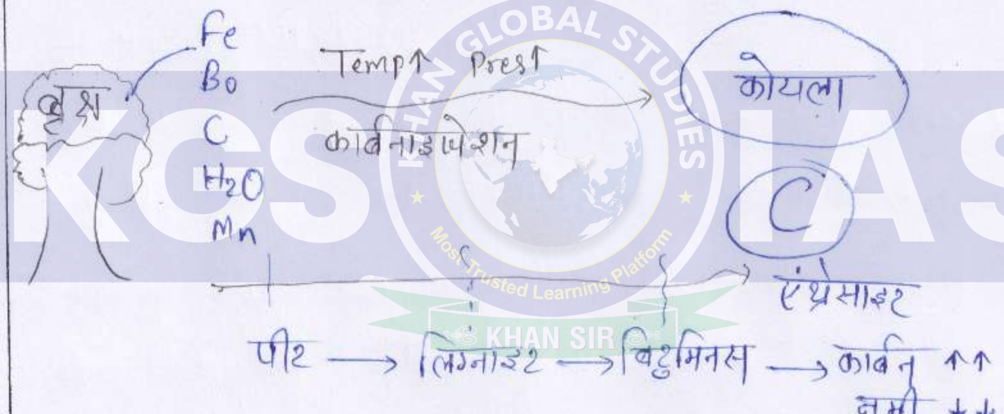

→ 85% कोयला (उत्तरी गोलार्द्ध) → 30–65°N

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत - एल्फ्रेड वेगनर

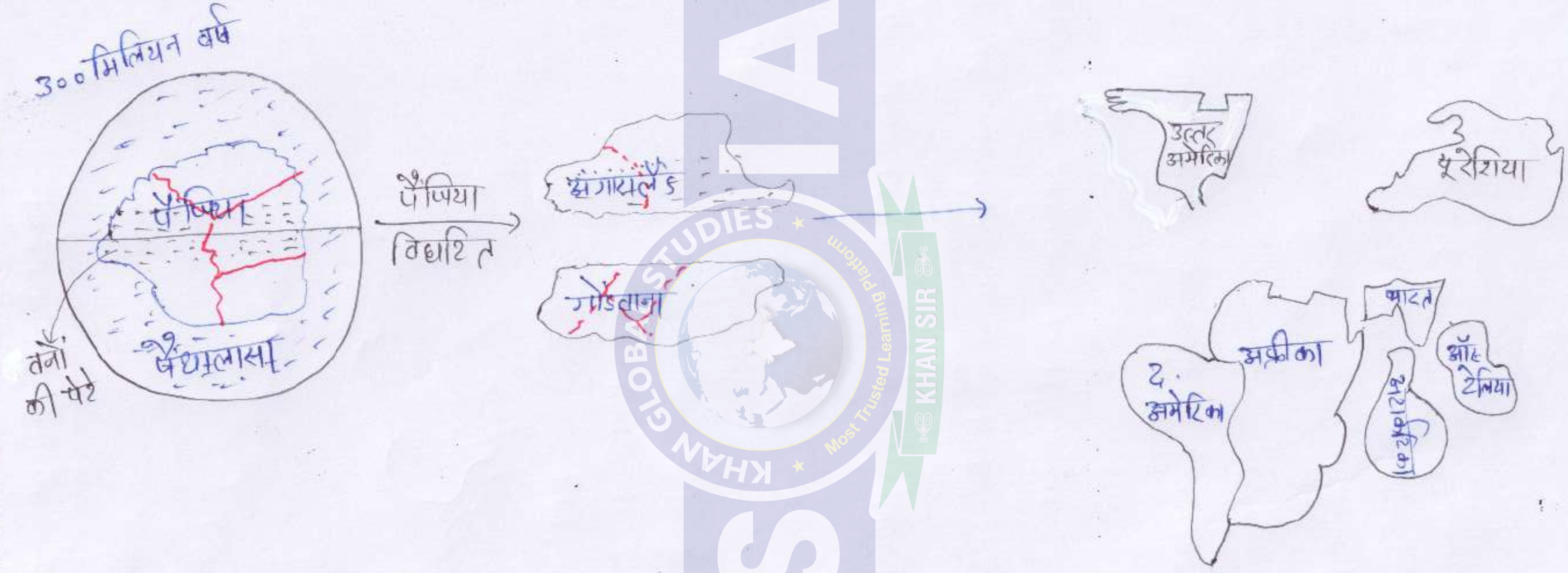

उत्तर अमेरिका मे कोयले का वितरण

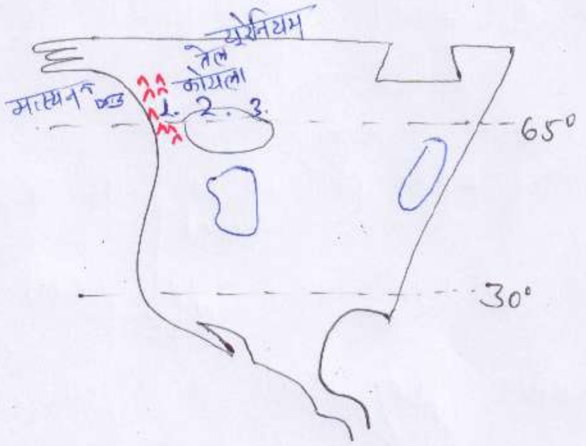

कनाडा - प्रेयरी प्रांत
एल्बार्टा व शास्कत शेवान

संयुक्त राज्य अमेरिका - पेन्सिलवेनिया प्रांत
- पिट्सबर्ग (आप्लेशियन क्षेत्र)
- प्रेयरी प्रांत

→ विश्व का लगभग 98% कोयला 11 देशों में है।

दक्षिण अमेरिका - अभाव है → गोंडवाना का हिस्सा था
- मगडालीना + ओरिनोको नदी घाटी में मिलता है।

अंटार्कटिका - पता नहीं / खोजे नहीं गये / अभाव (गोंडवाना का हिस्सा)

अफ्रीका - कोयले का अभाव (गोंडवाना)
द. अफ्रीका - ट्रांसवाल
जिम्बाब्वे - वैंकी कोयला खदान
} सीमित मात्रा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

यूरोप में कोयला

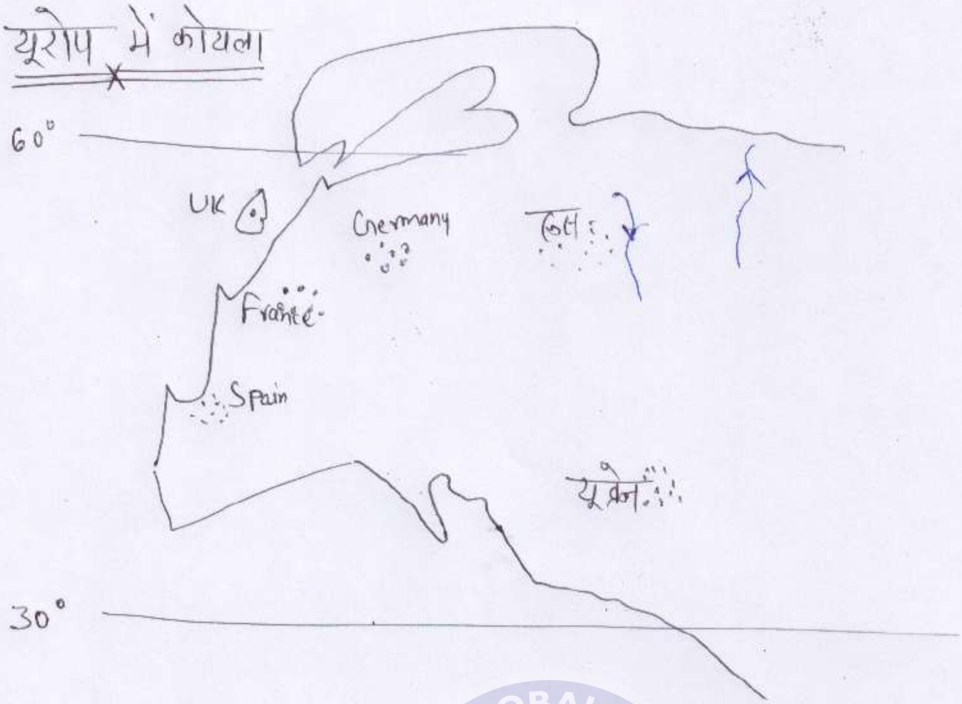

UK - मिडलैंड बेसिन (समाप्त)

जर्मनी - रूर (Ruhr) नदी (विश्व का उद्योग केन्द्र)

- वेस्टफालिया

फ्रांस - अल्सास-लॉरेन

स्पेन - एपेनाइन पर्वत

यूक्रेन - डोनेत्स्क (डॉन नदी पर)

रूस - वोल्गा व पेचोरा नदी घाटी

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

एशिया में कोयला -

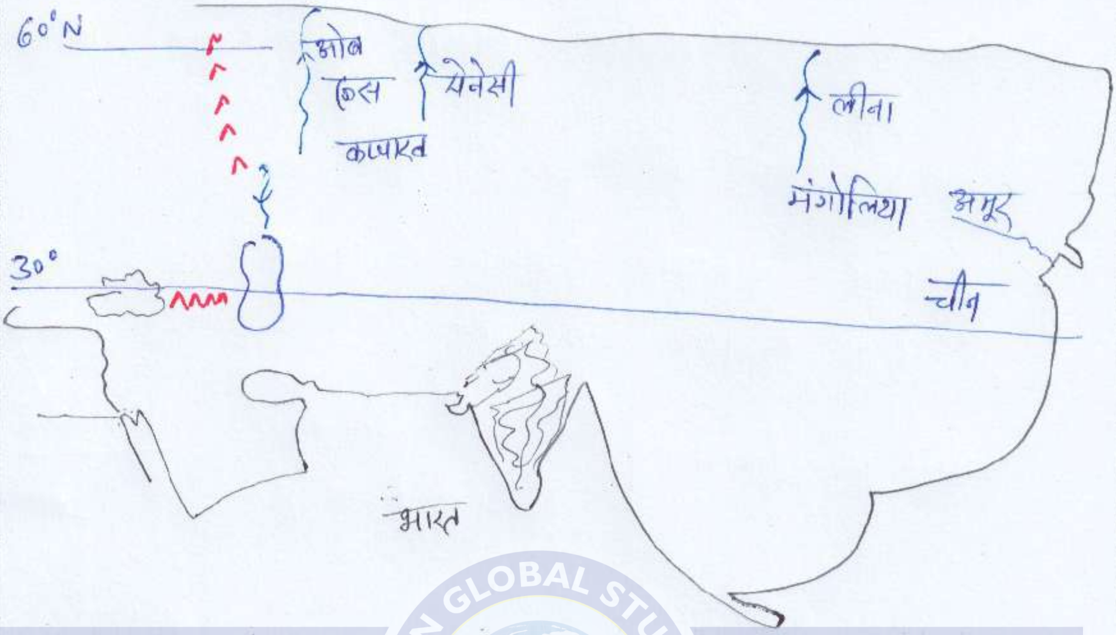

रूस - ओब, येनेसी, लीना की घाटी

कजाख - कारागांडा

मंगोलिया - गोबी मरुस्थल

चीन - a) मंचूरिया का पठार

आन्शान,
जिलिन,

b) शॅांसी / शांसी

(c) बाउ टाऊ (आंतरिक मंगोलिया)

भारत - गोंडवाना कोयला - भारत का कोयला विशेष रूप से निर्मित हुआ - जब भारतीय प्लेट गोंडवाना से हटकर अंगारालैंड की ओर चलनी शुरू हुई, तब यह विषुवत क्षेत्र से भी गुजरी और आगे इसमें दरारें (भ्रंश) भी पड़ गईं। इनमें वनस्पतियों के दबने से कोयला बना)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- भ्रंश घाटी मध्य भारत का पठार
- विश्व का लगभग 10% कोयला भारत के पास है।
- भारत का अधिकतर कोयला बिटुमिनस प्रकार का है।
- कुछ क्षेत्रों में एंथ्रेसाइट भी पाया जाता है।
- मूल कोयला → दामोदर, गोदावरी, नर्मदा और सोन नदी घाटियों में।

ऑस्ट्रेलिया - - क्वीन्सलैंड प्रांत
- न्यू साउथ वेल्स प्रांत

| पश्चिमी - न्यू कासल

कोयला	Vs	तेल / गैस
→ ठोस		- तरल / गैस
→ पादप		- सूक्ष्म जीव + पादप - सागरीय स्रोत - प्लवक
→ अधिक - तेल से 5 गुना		- कम प्रदूषण और बेहतर ईंधन

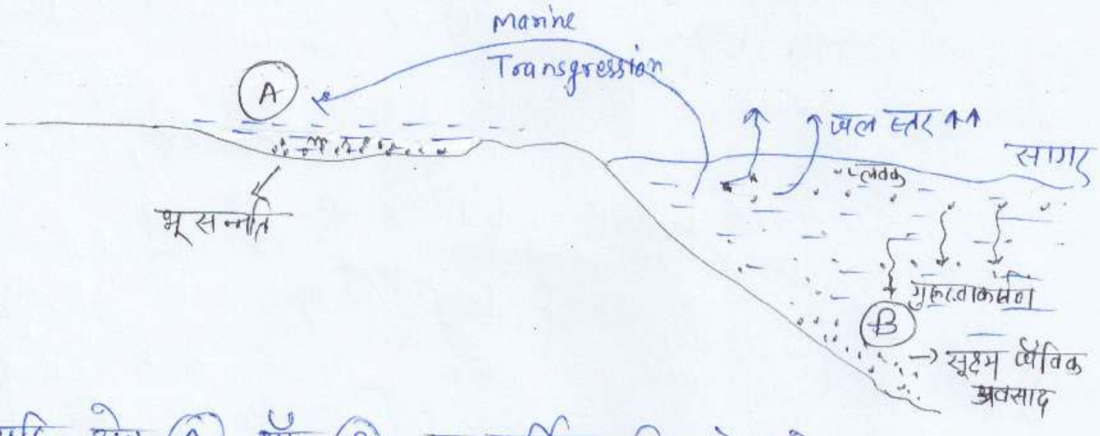

यदि क्षेत्र (A) और (B) भू-गर्भिक क्रियाओं के कारण दब गये तो इससे तेल और गैस बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

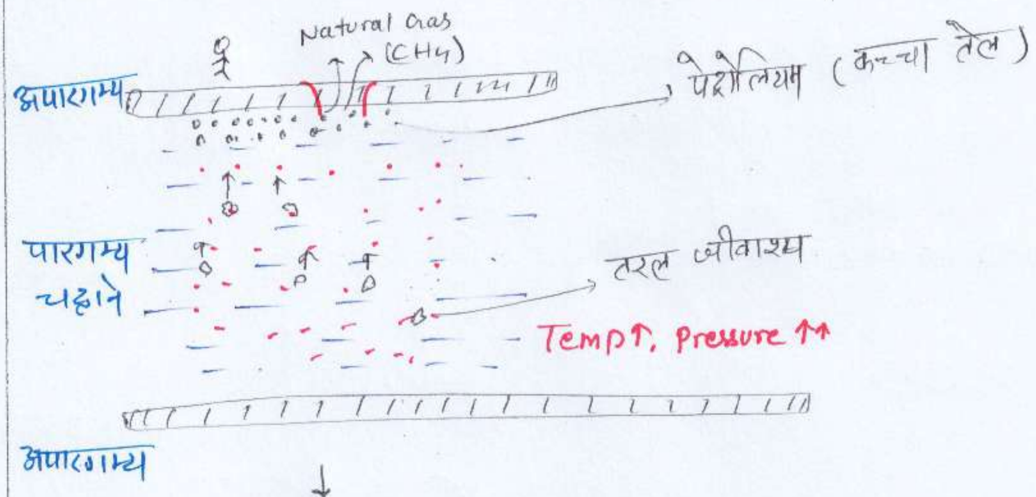

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

प्रश्न : भारत में 25 वर्ष तक उपयोग लायक शेल भंडार हैं। इसका दोहन भारत की प्राथमिकता क्यों नही है।

→ जटिल प्रक्रिया → तकनीक का अभाव

→ भविष्य का संसाधन → नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता

→ भौगोलिक वितरण खंडित → जल प्रदूषण ↑↑

तेल व गैस का वितरण

उत्तर अमेरिका

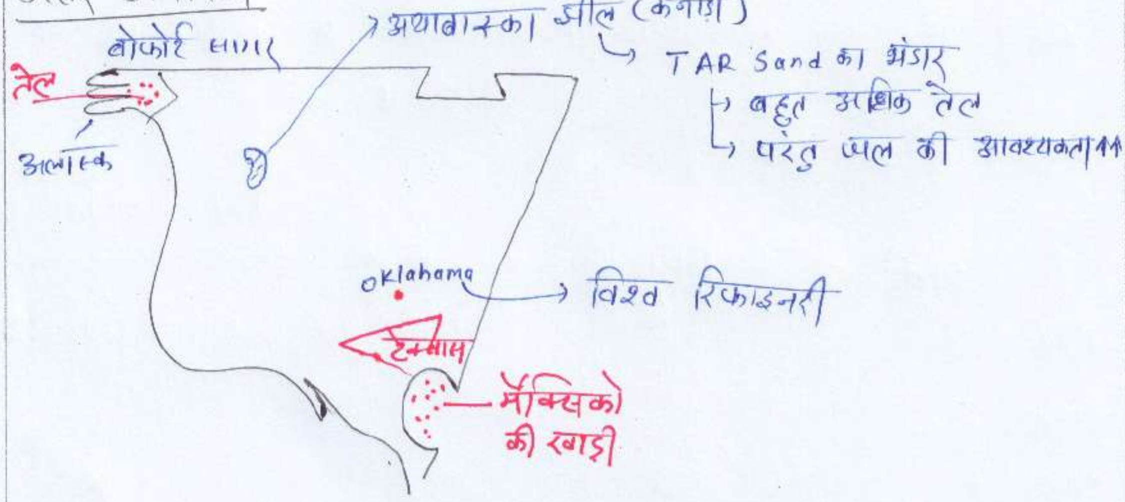

यूरोप - उत्तर सागर

दक्षिण अमेरिका

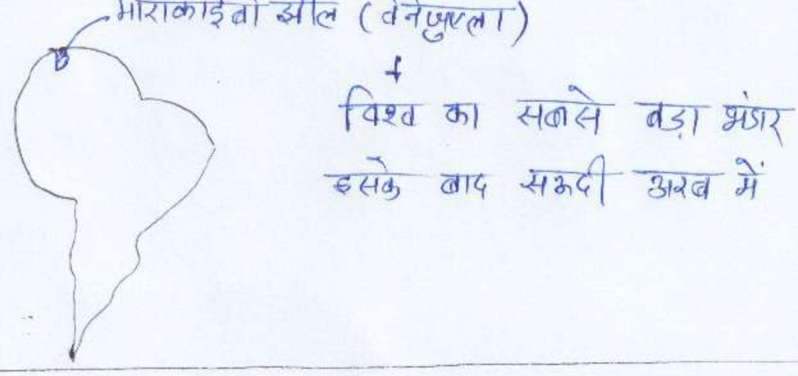

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ द. अमेरिका में तेल बहुत अधिक गहराई पर है, इसलिये इसे निकालना जटिल होता है।

→ मारकाईबो में भी बहुत सारा तेल टार सैंड (Tar Sand) के रूप में है।

प्राकृतिक गैस :

	रूस >	अल्जीरिया >	कतर	
उत्पादन बदलता रहता है -	1	2	3	x वर्ष
	2	1	3	y वर्ष
	3	2	1	z वर्ष

यूरेनियम - कजाखस्तान > ऑस्ट्रेलिया > कनाडा

एशिया / पश्चिम एशिया :

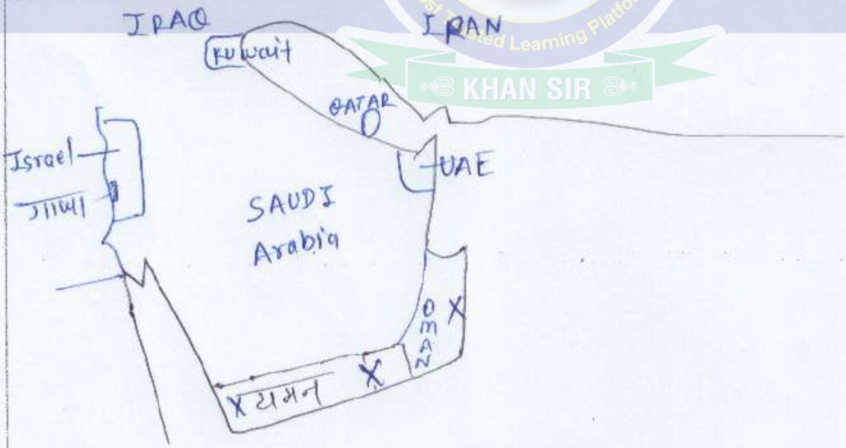

- यहां का सबसे बड़ा तेल भंडार सऊदी अरब में
- प्राकृतिक गैस का अग्रणी उत्पादक कतर है।

सऊदी अरब - दहरान
ईराक - बास्रा, किर्कुक / मोसुल

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

कुवैत - अल अहमदी

कतर - गैस - रस लफ्फान

ईरान - अबादान, बंदर अब्बास, तेहरान

UAE - दुबई, आबु धाबी, शारजाह

कैस्पियन सागर तेल -

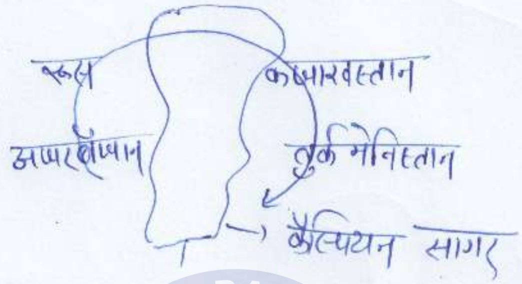

रूस- ओखोट्स्क सागर और बेरिंग सागर

सखालिन द्वीप

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

दक्षिण पूर्वी एशिया -

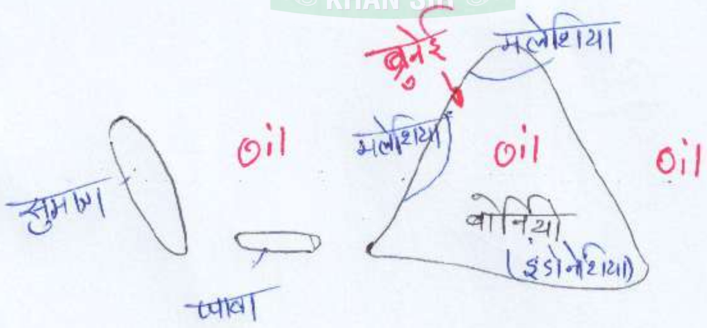

द्वितीयक उद्योग

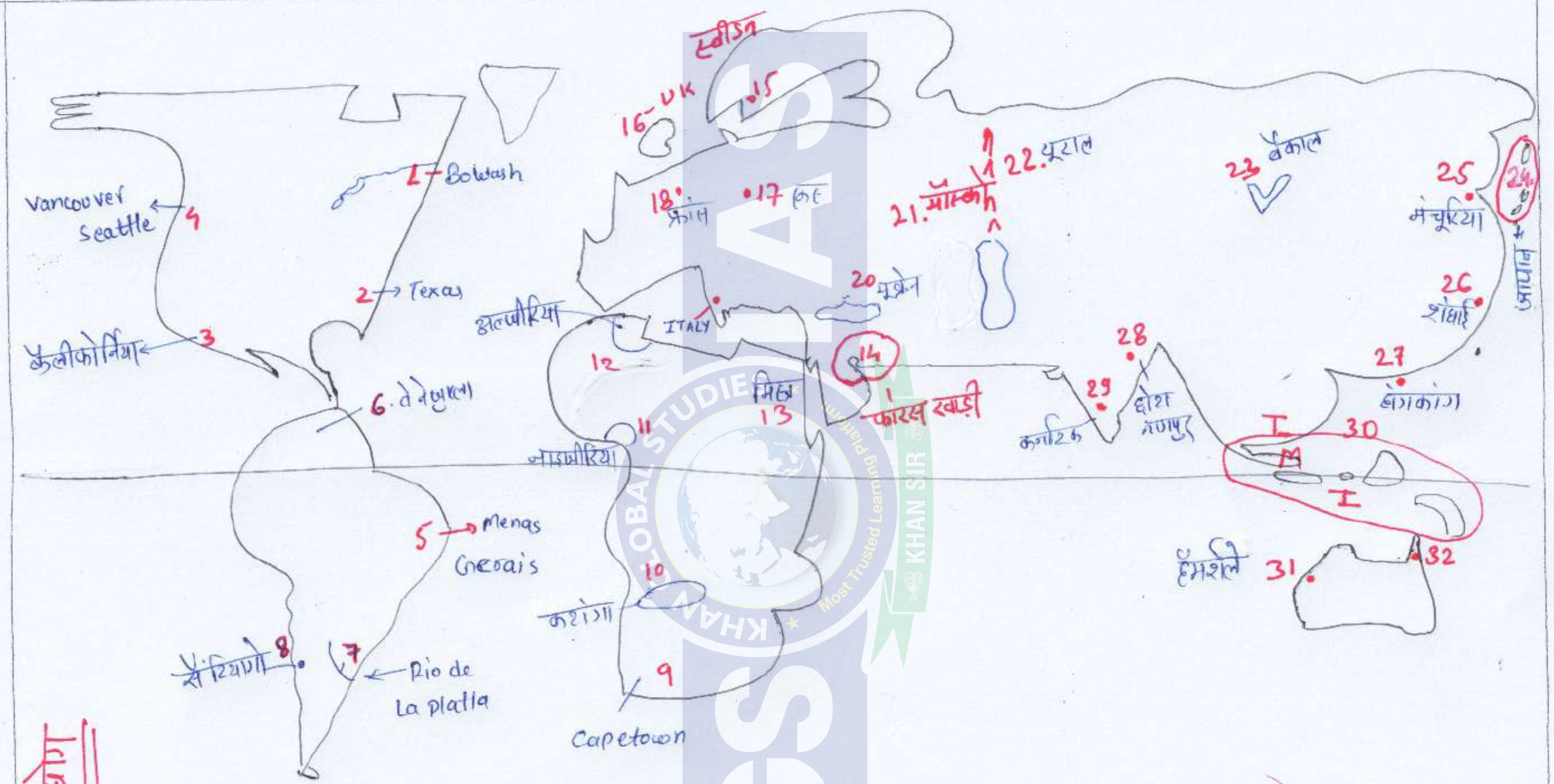

SEATTLE - विश्व की एयरक्राफ्ट राजधानी

24 - टोक्यो, योकोहामा, कावासाकी - होन्शू द्वीप पर

27 - हांगकांग / ग्वांगझोउ